Wed 18.11.2020

प्रश्न बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है?

उत्तर- बच्चे इस समाज के भावी निर्माता हैं और बच्चों के बचपन की बलीचढ़ाकर उन्हें काम पर जाने के लिए विवश किया जाता है तो वह स्थिति कर्तव्यहीनता को प्रकट करती है और साथ ही अकर्मण्यता को भी सिद्ध करती है। वास्तव में जो समाज बच्चों का बचपन छीन ले, वह कब जीवित रहेगा। यह एक गंभीर प्रश्न है इसलिए इस पंक्ति को एक भयानक रूप में कहा गया है।

: रचना और अभिव्यक्ति :

प्रश्न आपके विचार से बच्चों को काम पर क्यों नहीं भेजा जाना चाहिए। उन्हें क्या करने का मौका मिलना चाहिए?

उत्तर मेरे विचार से बच्चों को काम पर

नहीं भेजा जाना. क्योंकि बच्चों को काम पर भेजना उन्हें मानसिक और शारीरिक कष्ट पहुँचाना है। यदि इसी तरह बच्चे मजदूरी करते रहे तो भविष्य में देश की रक्षा और उन्नति के लिए लोग कहाँ से आएंगे।

यह बच्चे समाज के भावी निर्माता हैं। जब वे बच्चे ही शिक्षा की जगह, काम, खेल-कूद की जगह पेट भरने की समस्याओं से जूझेंगे तो देश का भविष्य अंधकारपूर्ण हो जाएगा। छोटी अवस्था में ही उन पर जिम्मेदारियां डाल दी जाएंगी तो उनका विकास किस प्रकार हो पाएगा। इसलिए बच्चों को काम पर नहीं भेजा जाना चाहिये। इन्हें निम्नलिखित कार्य करने के मौके मिलने चाहिए :-

1) इन्हें विद्यालय जाकर पढ़ाई करने का अवसर मिलना चाहिए।

2) इन्हें खेल-कूद का मौका मिलना चाहिए।

3) इन्हें अपने बचपन का भरपूर आनंद लेने देना चाहिए।

4) इन्हें उनका स्वाभाविक जीवन जीने देना चाहिए।

5) इन पर बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियाँ नहीं डालनी चाहिए।